श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करती हूँ।

श्री प्रताप सिंह बाजवा (पंजाब): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्री सुशील कुमार गुप्ता (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करती हूँ।

Sub-urban rail project for Bengaluru

SHRI G.C. CHANDRASHEKHAR (Karnataka): Sir, in the recent Budget, the Finance Minister has announced suburban train for Bengaluru and earmarked ₹ 18,600 crore. For your kind information, the same project by the same Government was announced three times first during the Budgets 2018-19, 2019-20 and now during 2020-21.

Sir, unfortunately, the Government released ₹1 crore in 2018-19 against ₹ 17,000 crore announced, and ₹10 crore during 2019-20 against ₹l8,000 crore and now, it has announced ₹18,600 crore but there is no Budget allocation so far.

In the month of February, the Minister of State for Railways, who is also from Karnataka, said that an amount of ₹1,400 crore is required immediately to kickstart the project. A DPR was prepared for this project with an estimation of ₹ 12,000 crore in 2013, but it has become ₹l8,600 crore now. Even now, if we don't start the work seriously, it will double the cost by the time we implement it.

Sir, as per a global report, Bengaluru has the highest traffic jam in the world and it is very essential for Bengaluru to implement a suburban train project. Just announcement will not solve the problem; the Government should release the fund as early as possible.

[Shri G.C. Chandrashekhar]

Sir, both the Minister of State for Railways and the Finance Minister are from Karnataka. They should act on the project immediately. Bengaluru is a unique city with 12,000 IT companies and it is the world's largest IT cluster. Also, it contributes 38 per cent of India's Total IT exports. Bengaluru has many Central Government research establishments like ISRO, NAL, HAL, CPRI, BHEL, BEL, etc. Similarly, the city houses majority of the Fortune 500 companies like Walmart, Apple, Amazon, JPMorgan Chase, Citi Group, Intel, Facebook, Twitter, HP, Dell, Airbus, Honeywell, etc.

According to Transport Department, as on July, 2019, 15,72,185 cars and 57,30,388 two-wheelers are registered and a Total of 82,53,218 vehicles are there in Bengaluru. According to a recent report, Bengaluru has become the world's worst traffic congested city due to increase in number of vehicles and population; drivers spend an average 71 per cent extra on roads due to congestion during 2019. Solution to Bengaluru traffic is only by improving public transport system such as suburban rail, metro and BMTC to provide last-mile connectivity to the people. Thank you, Sir.

SHRI T.K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

PROF. M.V. RAJEEV GOWDA (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI B.K. HARIPRASAD (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SYED NASIR HUSSAIN (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI RAJ BABBAR (Uttarakhand): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

DR. SONAL MANSINGH (Nominated): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: The next Zero Hour mention is about hailstorm. There are names of three Members - Shri Harnath Singh Yadav, Shri Rewati Raman Singh and Shri Vijay Goel. Each one is to take one minute. आप लोगों को एक-एक मिनट में अपनी बात बोलनी

है, बाकी लोगों को भी बोलना है। उन लोगों ने भी यही नोटिस दिया है। आपको एक मिनट का समय दिया गया है।

Damage to crops due to hailstorm in Uttar Pradesh

श्री हरनाथ सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं आपके और इस सदन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली, वर्षा व आंधी-तूफान से किसानों की फसलों की तबाही की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर रहा हूं और किसानों के ऊपर आयी इस विनाशकारी विपदा में केन्द्र सरकार से विशिष्ट सहयोग की विशेष अपील कर रहा हूं।

मान्यवर, ओलावृष्टि, वर्षा, आकाशीय बिजली तथा आंधी-तूफान ने प्रदेश के अनेक हिस्सों में ऐसा तांडव किया है कि लाखों किसानों का सब कुछ समाप्त हो गया है और किसानों की कमर तोड़कर रख दी है और गाँवों में मातम पसरा हुआ है। प्रदेश के अनेक हिस्सों में आलू, गेहूं, सरसों, मसूर, चना आदि की फसलें तथा आम की फसलें पूरी तरह से समाप्त हो गई हैं। अभी तक प्रारम्भिक सूचनाओं के अनुसार आकाशीय बिजली और आंधी व भारी वर्षा से तीस से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई है, हज़ारों लोगों के मकान गिर गए हैं और असंख्य जानवरों की मृत्यु हो गई है।

मान्यवर, मैं अभी शनिवार-रविवार को एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, हाथरस, आगरा, अलीगढ़, मथुरा आदि के तमाम गाँवों में घूम कर आया हूं। वहां पूरी तरह से फसलें चौपट हो गई हैं।

श्री सभापति: आपका सुझाव क्या है, सुझाव और मांग क्या है?

श्री हरनाथ सिंह यादव: महोदय, मैं माननीय प्रधान मंत्री जी से और सरकार से यह मांग करता हूं कि केन्द्र सरकार की टीम प्रत्येक जिले में जाकर इसका आकलन करे और सरकार फसल बीमा कंपनियों को कड़ाई से निर्देश दे, उन किसानों को तुरंत मुआवज़ा दिया जाए और साथ ही केन्द्र सरकार प्रदेश सरकार को यह सलाह दे ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: आपका विषय आ गया है। श्री रेवती रमन सिंह जी। आप अपनी बात एक मिनट में जोड़ दीजिए।

श्री सुशील कुमार गुप्ता (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं।

लेफ्टीनेंट जनरल (डा.) डी.पी. वत्स (सेवानिवृत्त) (हरियाणा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं।

डा. अशोक बाजपेयी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ स्वयं को संबद्ध करता हूं।